आरंभिक बचपन परिवेशों में खेल के माध्यम से सीखना

HINDI

खेल क्या होता है?

पूरे विश्व-भर में किए गए अध्ययनों से यह प्रदर्शित हुआ है कि सार्थक खेल पर आधारित अनुभवों में शामिल होकर बच्चे सीखते और विकसित होते हैं।

"बच्चों की बौद्धिक, शारीरिक, सामाजिक और रचनात्मक क्षमताओं जैसी अनेकानेक क्षमताओं को प्रोत्साहित और एकीकृत करने के लिए खेल आवश्यक है। आरंभिक बचपन की प्रभावी गतिविधियों में बच्चों के साथ लगातार और साझा व्यवहार को समर्थित करने के लिए शिक्षण और सीखने के एकीकृत दृष्टिकोणों का उपयोग किया जाता है। खेल और अन्य अवसरों के माध्यम से बच्चे सामाजिक व प्राकृतिक संसार, लोगों, स्थानों, वस्तुओं और प्रतिदिन उनके सामने आने वाले अनुभवों के बारे में समझ और विचारों का निर्माण करना सीखते हैं।"

- VEYLDF, 2016, पृष्ठ 14

आपके बच्चों को स्वाभाविक रूप से खेल करना आता है और यह उनके सीखने एवं विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। खेल से आपके बच्चे/आपकी बच्ची को अपने संसार की समझ बनाने तथा लगातार रूप से पहचान की सशक्त भावना का विकास करने में सहायता मिलती है। खेल के माध्यम से आपका बच्चा/आपकी बच्ची कल्पना, रूपांतरण, सृजन, अन्वेषण, परीक्षण, संवाद, प्रश्न, संवाद, सुन, सोच, महसूस, स्पर्श और गंध का अनुभव कर सकता/सकती है। खेल में बातचीत करना, समस्याएँ हल करना, जोखिम उठाना, नई चीजों के लिए प्रयास करना और चीजों के काम करने का तरीका देखना शामिल होता है। आपका बच्चा/आपकी बच्ची अपने और दूसरों के बारे में जान पाएगा/पाएगी, खेल के नियम सीख पाएगा/पाएगी, दोस्त बना सकेगा/सकेगी, संबंधों का विकास कर सकेगा/सकेगी और अपने आस-पास के लोगों पर भरोसा कर पाएगा/पाएगी, जिसमें उसके शिक्षक व अन्य बच्चे भी शामिल होंगे।

बच्चे कभी-कभी अकेले खेलते हैं, एक या दो अन्य बच्चों के साथ खेलते हैं और छोटे या बड़े समूहों में बच्चों के साथ खेलते हैं। खेल शोरगुल या शांति के साथ और निष्क्रिय या सक्रिय हो सकता है।

"खेल की अबाधित अवधियों में बच्चों को समृद्ध विविधता वाली खुली सामग्री और संसाधनों का उपयोग करके आविष्कार, परीक्षण और अन्वेषण करने का समय मिलता है।"

- VEYLDF, 2016, पृष्ठ 21

खेल के माध्यम से सीखना

शिक्षक और प्रशिक्षक सेवा में उपस्थित प्रत्येक बच्चे/बच्ची के व्यक्तिगत हितों और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक कार्यक्रम की योजना बनाते हैं। वे सीखने के एक खुले परिवेश में अनेकानेक खेल-आधारित अनुभवों के माध्यम से ऐसा करते हैं, जहां बच्चे इनडोर और बाहरी स्थानों में स्वतंत्र रूप से आवाजाही कर सकते हैं।

इसमें संगीत, कहानियों और बातचीत जैसी कुछ निर्देशित औपचारिक गतिविधियाँ भी होंगी। दिन के अधिकाँश समय बच्चे स्वयं यह निर्णय लेंगे कि वे कहाँ खेलेंगे, किसके साथ खेलेंगे और किसी विशेष खेल गतिविधि में कितना समय बिताएँगे। जब बच्चों को सहायता की आवश्यकता होगी, तो शिक्षक समर्थन और मार्गदर्शन देंगे।

बच्चों में सीखने के प्रति प्रेम विकसित करने, जिज्ञासा जागृत करने, प्रश्न पूछने और अपने संसार तथा उनसे मिलने वाले लोगों में रुचि विकसित करने में समर्थन देने के लिए शिक्षक अलग-अलग शिक्षण कार्यनीतियों का उपयोग करेंगे। वे खेल में मार्गदर्शन दे सकते हैं, खेल का नेतृत्व कर सकते हैं, या बच्चों द्वारा निर्देशित खेल में उनकी निगरानी कर सकते हैं।

fka Children's Services
18 Harper Street, Abbotsford VIC 3067
03 9428 4471 | fkacs@fka.org.au
www.fka.org.au | Facebook @FKACS

खेल के दौरान बच्चे क्या सीखते हैं?

खेल से बच्चों को बातचीत करने और प्रश्न पूछने, शब्दावली और भाषा, साक्षरता, आंकिक व सामाजिक कुशलताओं का विकास और अभ्यास करने के अवसर मिलते है। खेल के माध्यम से बच्चे अन्य लोगों से संवाद और संबंध स्थापित करने के तरीके सीखते हैं।

बच्चे अपनी कल्पना का प्रयोग करके, उन्होंने जो देखा है उसका अनुयोजन भी करते हैं, उदाहरण के लिए;

- भोजन तैयार करने का नाटक करना
- छोटे बच्चे की देखभाल करना
- फायर फाइटर, डॉक्टर या दुकानदार बनना।

इससे बच्चों को अपने संसार और अपने समुदाय के बारे में समझ और संज्ञान प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

"नाटकीय खेल विभिन्न पहचानों और दृष्टिकोणों का अन्वेषण करने के लिए महत्वपूर्ण होता है, जिसमें वैश्विक समुदायों के साथ संबंध की अवधारणा की खोज करना भी शामिल है। बच्चों को व्यक्ति-विशेषों और समूहों के बीच समानताओं और अंतरालों की सराहना करने तथा विभिन्न दृष्टिकोणों का सम्मान करने के लिए समर्थन दिया जाना चाहिए।"

- VEYLDF, 2016, पृष्ठ 18

खेल में भाग लेते समय बच्चे दूसरों को स्वीकार्य व्यवहारों को सीखने में सहायता के लिए नियमों पर बातचीत करेंगे। उदाहरण के लिए, बच्चे झूले पर अपनी बारी आने की प्रतीक्षा के लिए नियम विकसित कर सकते हैं। बच्चों को सभी की सुरक्षा में सहायता देने, उपकरणों की देखभाल करने और निष्पक्षता व समानता को समर्थन देने वाले नियम बनाने में शामिल करने से उन्हें अपनी सोच और समस्याएँ सुलझाने की कुशलताओं में सहायता मिलेगी, तथा सामाजिक कुशलताओं के साथ-साथ उनकी आंकिक और साक्षरता कुशलताओं के विकास में भी उन्हें समर्थन मिलेगा।

अपने खेल में बच्चे अपने वर्तमान ज्ञान और विचारों के आधार पर नए और रुचिपूर्ण तरीकों से निर्माण कर सकते हैं।

बच्चे जोखिम उठाकर सीखने और अभ्यास करने के लिए कुछ गतिविधियों को बार-बार दोहरा सकते हैं, जैसे;

- किसी ऊँचे स्थान पर स्वयं चढ़ना
- आरा-पहेली में माहिर बनना
- अपने कपड़े या आर्ट स्मॉक स्वयं पहनना
- पतली बीम पर शरीर का संतुलन करना
- कैंची का उपयोग स्वयं करना
- हॉपिंग करना
- झूले पर खुद को स्वयं धकेलना।

ये बड़ी और छोटी उपलब्धियाँ बच्चों, उनके परिवारों और उनकी शिक्षा का समर्थन करने वाले शिक्षकों के लिए पुरस्कार के समान होती हैं।

खेल से बच्चों को खुशी व्यक्त करने, उपलब्धियाँ प्राप्त करने, सफल बनने, गलतियाँ करने, अभ्यास करने, नई जानकारी या कुशलताओं का परीक्षण करने, राय बनाने और नई कुशलताओं व ज्ञान में माहिर बनने के अवसर मिलते हैं।

बच्चे खेल के माध्यम से ही सीखते हैं।

References

Department of Education and Training, 2016. *Victorian Early Years Learning and Development Framework*.